एक नजर में

चम्पाषष्ठी महोत्सव : चल समारोह आज

उज्जैन। 24 खंभा महाकाल घाटी स्थित समाज की धर्मशाला में क्षत्रिय मराठा समाज द्वारा छह दिवसीय चम्पाषष्ठी महोत्सव की कड़ी में 56 भोग, अन्नकूट एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। मंदिर पर अध्यक्ष अनिल धर्मे की अध्यक्षता में भगवान कुलदेवता मल्हार मार्तंड देव का विधिवत पूजन किया कर महाआरती की गई। इस दौरान समाज के वरिष्ठजन एवं युवाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भाग लिया। सचिव अनिल गावडे ने जानकारी देते हुए बताया कि चम्पाषष्ठी महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समाज की क्षत्राणियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज की और महाराष्ट्रीयन पारंपरिक व्यंजन भाखर वडी एवं अनारसे विशेष रूप से तैयार किए गए, जिनका सभी ने मिलकर आनंद लिया। पारंपरिक व्यंजनों के साथ सांस्कृतिक वातावरण और आपसी मेल-मिलाप ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया। कार्यक्रम के समापन पर चम्पाषष्ठी महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी समाज के बच्चों को समाज की ओर से सम्मानित किया गया। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी क्षत्रिय मराठा समाज द्वारा बाबा मल्हार की पारंपरिक पालकी एवं भव्य चल समारोह का आयोजन किया गया है। आज 26 नवंबर बुधवार को शाम 4 बजे भव्य चल समारोह समाज की धर्मशाला से रवाना होगा। पालकी व भव्य चल समारोह 24 खंभा माता मंदिर गुदरी चौराहा से प्रारंभ होकर बक्शी बाजार, हरसिद्धि पाल, रामघाट, गणगौर दरवाजा, कार्तिक चौक, बाबा गेबिहानुमान मंदिर, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार होते हुए मल्हार मार्तंड मंदिर पहुंचेगी। समाज ने समस्त क्षत्रिय मराठा समाजजनों से सह परिवार चल समारोह में शामिल होने का अनुरोध किया है। कार्यक्रम के दौरान समाज अध्यक्ष अनिल धर्मे ने बताया कि इस वर्ष भगवान कुलदेवता मल्हार मार्तंड देव की पालकी ऐतिहासिक स्वरूप में निकाली जाएगी। विशेष रूप से समाज की बेटियां विभिन्न रूपों में साज-सज्जा के साथ चल समारोह में आकर्षण का केंद्र रहेंगी। 30 नवम्बर रविवार को भंडारा भोजन प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। भंडारा सुबह 11 से शाम 4 बजे तक चलेगा। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीता पाटिल, उपाध्यक्ष मुकेश शिन्दे, अनीता शिन्दे, कोषाध्यक्ष राजेश खोयरे, सह सचिव परवीन जाधव, प्रशांत शिन्दे, कार्यकारणी सदस्य रेखा कदम, ममता खोयरे, रणजीत सपकाले, अनिल खोकले, मधुकर राव यादव, अंकित कदम, यशवंत इंगले, महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना चव्हाण, सचिव चेतना कड़ेकर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कविता जाधव, उपाध्यक्ष दीपा गावडे, कामिनी मोरे, कोषाध्यक्ष सुलभा काटे, सह सचिव निधि जाधव, सुप्रिया जाधव, सदस्य ज्योति सपकाले, मीनाक्षी चव्हाण, कार्यकर्ता शहद शितोले, उमाकांत धर्मे, भास्कर राव जाधव,शरद शितोले ,नरेंद्र जाधव,राजेश करे,यशवंत चव्हाण,श्रध्दा चौधरी, वैभवी भोसले, प्रिती कदम, मिनाक्षी चव्हाण, अपुर्व धर्मे, पवन पवार, सुनयना पवार, प्रीत कदम, एकता शिन्दे, संतु ताई जाधव, लीला धर्मे, अनीता शिन्दे, एकता शिंदे, सौ. अंजलि भोसले, सौ. ज्योति इंगले समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बाइक से टकराई नीलगाय, मासूम की मौत

उज्जैन। नीलगाय से एक फिर बड़ा हादसा हो गया। बाइक के सामने आने के चलते 7 साल के मासूम की मौत हो गई, पिता और नानी घायल हो गये। मासूम का परिवार गमी में शामिल होने के बाद वापस घर लौट रहा था। महिदपुर रोड के ग्राम कसारी में रहने वाले दमदारा परिवार में शामिल जितेन्द्र दमदारा, अपनी पत्नी अनिता, पुत्र सचिन के साथ ग्राम केसरपुर निपानिया पत्नी के मायके गमी के कार्यक्रम में आया था। रविवार को कार्यक्रम के बाद परिवार एक दिन के लिये रुक गया। सोमवार दोपहर को जितेन्द्र, उसकी पत्नी, पुत्र सचिन और नानी सास लीलबाई पति नानूराम 65 साल के साथ बाइक से वापस घर कसारी लौटने के लिये निकला। आगररोड पर जैथल से आगे सत्रहा मिल मार्ग नाकोड़ा पेट्रोल पंप में सामने अचानक बाइक के सामने दौड़ता हुआ घोड़ारोज आ गया। हादसे में बाइक पर सवार पूरा परिवार गिर गया। जितेन्द्र, सचिन और लीलाबाई गंभीर घायल हुए। तत्काल लोगों की मदद से एम्बुलेंस बुलाई गई और सभी को चरक अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद सात साल के बालक सचिन को मृत घोषित कर दिया। जितेन्द्र और लीलाबाई को उपचार के लिये भर्ती किया गया। मामले की सूचना ड्युटी कम्पाउंडर ने अस्पताल पुलिस चौकी पर दी। चौकी पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर बालक सचिन का पोस्टमार्टम कराया है। परिवार बालक के साथ घायल पिता और लीलाबाई की अस्पताल से छुट्टी कराकर ग्राम कसारी ले गये है। हादसे में मृत मासूम की मां को मामूली चोंट लगी है।

भूमि आवंटन को लेकर दिया ज्ञापन

घट्टिया। करणी सेना परिवार द्वारा हिंदुआ सूरज मेवाड़ रत्न सम्राट महाराणा प्रताप की मूर्ति बस स्टैंड प्रांगण में स्थापित करने हेतु भूमि आवंटन को लेकर ज्ञापन दिया। तहसील अध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम के नाम का ज्ञापन तहसीलदार आदर्श शर्मा को भूमि आवंटन के लिए ज्ञापन दिया ज्ञापन गया। ज्ञापन देने में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में करणी सैनिक उपस्थित थे ।

सीएम की सादगी, सरलता और सामाजिक समरसता का सम्मेलन है यादव परिवार में विवाह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निभा रहे पिता होने के साथ राजधर्म, बेटे की शादी में रखा परंपरा और मर्यादा का ध्यान, 21 जोड़ों का भी करेंगे कन्यादान

उज्जैन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकार का परिचय दिया है। जहां एक ओर वे राज्य के मुखिया का दायित्व निभा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर एक पिता के रूप में भी अपने कर्त्तव्य को सर्वोच्च मर्यादा के साथ पूरा कर रहे हैं। सीएम के पुत्र का विवाह सादगी से किया जा रहा है और सामूहिक सम्मेलन में फेरे होंगे। राजधर्म और पिता धर्म अनूठे रूप में निभाए जाने की चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने लाडले बेटे चि. डॉ. अभिमन्यु एमबीबीएस, एमएस का शुभ विवाह आगामी 30 नवंबर 2025 को पुण्य सलीला मां शिप्रा के पावन तट पर आयोजित एक भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन में करने जा रहे हैं। नवभारत को यादव परिवार की ओर से यह जानकारी देते हुए नंदलाल यादव, नारायण यादव और कलावती यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अपने पुत्र के विवाह के अवसर को सामाजिक समरसता और सहयोग के परम ध्येय को प्रबल करने का माध्यम बनाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने सुपुत्र डॉ. अभिमन्यु के विवाह के साथ-साथ 21 अन्य बेटियों का भी परिणय मंगल करेंगे। इस अभिनव पहल से कुल 42 परिवार अनुगृहित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शिता का प्रमाण है कि वे स्वयं अपनी ओर से इन 21 कन्याओं और उनके 21 वर का विवाह करवा रहे हैं। सामूहिक विवाह के इस आयोजन में सामाजिक समरसता का विशेष ध्यान रखा गया है। जो एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है। सर्व समाज में समभाव के सूत्र और नव जागरण के उद्देश्य से प्रदेश के अलग-अलग अंचलों से 21 जोड़ों को परिणय बंधन में गुंथा जा रहा है। पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति सभी वर्गों के युवतियों का विवाह सामूहिक विवाह सम्मेलन में मुख्यमंत्री व उनके परिवार द्वारा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के परिवार की ओर से इन सभी 42 परिवारों से कोई राशि नहीं ली जाएगी और संपूर्ण विवाह खर्च की व्यवस्था यादव परिवार स्वयं उठाएगा। सभी परिवार अपने रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह पूर्व की रस्में अपने घर पर संपन्न कर समारोह में सम्मिलित होंगे।

स्वयं मुख्यमंत्री के पुत्र का विवाह-वरमाला, पाणिग्रहण संस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुपुत्र डॉ. अभिमन्यु एमबीबीएस, एमएस का शुभ विवाह खरगोन निवासी दिनेश चन्द्र पटेल यादव की सुपुत्री डॉ. इशिता पटेल यादव एमबीबीएस, एमएस के साथ 30 नवंबर 2025 को होगा। विवाह स्थल डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ब्रिज, शिप्रा नदी के पावन तट पर रहेगा। सामूहिक बारात प्रातः 8 बजे, होटल इम्पीरियल चौराहा से प्रारंभ होकर विवाह स्थल पर पहुंचेगी। एक बड़े मंच पर मुख्यमंत्री और अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में वरमाला की विधि संपन्न होगी। दोपहर 11 बजे से 3 बजे के मध्य पाणिग्रहण और सप्तपदी के साथ विवाह संपन्न होंगे। सभी 22 विवाह (मुख्यमंत्री पुत्र सहित) एक साथ एक ही स्थल पर अलग-अलग निर्मित 22 मंडपों में संपन्न होंगे। यादव परिवार की ओर से प्रत्येक नव विवाहित दम्पति को नवीन गृहस्थी प्रारंभ करने हेतु आशीर्वाद स्वरूप भव्य भेंट दी जाएगी, जिसमें शामिल है। स्वर्ण मंगलसूत्र, रजत पायजेब व बिछिया, पलंग, सोफा, गद्दे, अलमारी, सेंट्रल टेबल, बेड़शीट, वर व वधू के कपड़े, 21 बर्तन व डिनर सेट, मोटरसाइकल प्रमुख है। यादव परिवार की ओर से विवाह समारोह में सम्मिलित होने वाले समस्त आगंतुकों से विनम्र अनुरोध किया गया है कि उनका आशीर्वाद ही नव युगल के लिए अमूल्य उपहार होगा। अतः कृपया किसी भी प्रकार का उपहार न लाएं। यह सामूहिक विवाहोत्सव, सामाजिक सरोकार के पावन उद्देश्य से रचा गया है। जिसमें प्रदेश के मुखिया का अपने बेटे की शादी को सामूहिक मंच पर संपन्न कराना। सादगी और सनातन परंपराओं के प्रति उनके गहन सम्मान को दर्शाता है।

तालाब से आधी रात को निकाला गया सरपंच का शव

उज्जैन। ग्राम कचनारिया में सोमवार शाम स्कार्पियों सहित गांव के सरपंच तालाब में गिर गये। घटनाक्रम सामने आते ही परिवार और गांव वाले एकत्रित हो गये। नरवर पुलिस के साथ एसडीआरएफ टीम सरपंच और गाड़ी को बाहर निकलने के अभियान में लग गये। मशक्कत के बाद आधी रात को स्कार्पियों को बाहर निकाला जा सका। जिसमें सरपंच मौजूद थे लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया।

नरवर थाना प्रभारी बल्लू मंडलोई ने बताया कि शाम 4 बजे के लगभग ग्राम कचनारिया के सरपंच ऋतुराजसिंह पिता धीरजसिंह झाला 60 वर्ष की स्कार्पियों घर के समीप तालाब में गिरने की खबर मिली थी। पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो सामने आया कि स्कार्पियों में सरपंच भी सवार थे। उन्हें निकालने के लिये स्थानीय स्तर पर प्रयास शुरू किये गये और एसडीआरएफ टीम को सूचना दी गई। स्कार्पियों को निकालने के लिये क्रेन बुलाई गई। अंधेरा होने पर लाईट की व्यवस्था कर तलाशी अभियान को आगे बढ़ाया गया। इस बीच पता चला कि स्कार्पियों गहराई में जाकर गड्ढे के बीच फंस गई है। जिसे निकालने के लिये पट्टा बांधा गया था जो बार-बार टूट रहा था, सरपंच ऋतुराजसिंह गाड़ी में फंसे हुए थे। गोताखारों को बुलाया गया लेकिन अंधेरा और गहराई होने के चलते परेशानी आ रही थी। बावजूद सात घंटे बाद आधी रात को एसडीआरएफ टीम के साथ ग्रामीणों की मेहनत से स्कार्पियों को बाहर निकाल लिया गया। जिसमें सरपंच की लाश भी मौजूद थी। जैसे ही खबर गांव में पहले मातम छा गया।

स्कॉर्पियो से खेत जा रहे थे सरपंच

सरपंच ऋतुराजसिंह झाला के छोटे भाई रघुराजसिंह ने बताया कि शाम को 4 बजे के लगभग स्कार्पियों से खेत जाने के लिये निकले थे। घर से कुछ दूरी पर ही तालाब बना हुआ है। परिवार ने गाड़ी में काम होने की बात भी कही। तालाब के पास ढलान होने से स्कार्पियों सहित गिरने की संभावना जताई जा रही है। भाई रघुराजसिंह के अनुसार ऋतुराजसिंह 1982 से कांग्रेस के सक्रिय सदस्य के रूप में काम कर रहे थे। पहली बार वर्ष 2022 में चुनाव लड़कर सरपंच बने थे।

बंटवारे के विवाद में भाई ने भाई का काटा गला

उज्जैन। व्यवसाय के बंटवारे को लेकर दो भाइयों के बीच विवाद हो गया एक ने दूसरे का ब्लेड से गला काट दिया। पुलिस ने हमला करने वाले को हिरासत में लिया है। मकड़ोन क्षेत्र के ग्राम नांदेड़ में रहने वाले परिवार द्वारा टेंट हाउस का कारोबार किया जाता है। परिवार में दो बेटे यूनुस और अनीश के होने पर पिता ने समाज के बीच बैठकर दोनों के बीच बंटवारा कर दिया। बड़े बेटे यूनुस को टेंट का कारोबार दे दिया गया और छोटे बेटे अनीश को नगद राशि दी गई। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों में विवाद हो गया। मां बीच बचाव करने पहुंची तो उसे धक्का देकर गिरा दिया गया वहीं छोटे भाई अनीश ने ब्लेड से यूनुस के गले पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने पर अनीश को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। जहां से उज्जैन रेफर किया गया। परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। टीआई प्रदीप सिंह राजपूत ने बताया कि मामले में मां की शिकायत पर छोटे बेटे अनीश के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। डॉक्टरी रिपोर्ट मिलने पर मामले में धारा का इजाफा किया जाएगा। फिलहाल मारपीट का प्रकरण दर्ज किया गया है। विवाद की वजह परिवार द्वारा किए गए बंटवारे को लेकर होना सामने आ रहा है।

पतंग निकालने चढ़ा बालक रेलवे की हाईटेंशन लाइन से झुलसा

उज्जैन। पंतग निकालने रेलवे प्लेटफार्म के शेड़ पर चढ़ा बालक हाईटेंशन की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से झुलसने पर उसे आरपीएफ की टीम ने चरक अस्पताल के बर्न युनिट में भर्ती किया। आरपीएफ उपनिरीक्षक यशपालसिंह ने बताया कि प्लेटफार्म 8 पर ड्यूटी कर रहे प्रधान आरक्षक मुकेश कुमार ने सूचना देकर बताया कि ओएचई लाइन की चपेट में आने से बालक बुरी तरह झुलस गया है। तत्काल मौके पर पहुंच बालक को उपचार के लिये चरक अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी लेने पर सामने आया कि बालक अमित पिता तेजू 10 साल जबरन कालोनी का रहने वाला है। वह दादा सुखराम 60 साल के साथ बकरी चराने के लिये पटरियों के किनारे प्लेटफार्म नम्बर 8 के पास नागदा की ओर जाने वाले ट्रेक पर आया था। बकरी चराने के दौरान बालक ने पतंग कटकर आती देखी। जो प्लेटफार्म के शेड पर जाकर अटक गई थी। बालक पतंग निकालने के लिये समीप खंभे से शेड पर चढ़ गया और हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। चरक अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि बालक 45 से 50 प्रतिशत झुलसा है, जिसका उपचार बर्न यूनिट में चल रहा है। मामले की सूचना जीआरपी को दी गई है।

सांस अभियान 28 फरवरी तक चलेगा

उज्जैन। बाल मृत्यु में कमी लाना शासन का प्रमुख लक्ष्य है। पांच वर्ष तक के बच्चों में सबसे अधिक मृत्यु का कारण निमोनिया संक्रमण है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया कि निमोनिया से होने मृत्यु को कम किये जाने के लिए समय पर लक्षणों की पहचान, प्रारंभिक उपचार एवं उचित स्वास्थ्य संस्था में रेफर तथा साथ ही निमोनिया के संबंध में जागरूकता आवश्यक है। साथ ही बच्चों में समुचित पोषण स्तर को बनाये रखने के लिए समस्त संसाधन का एकीकृत प्रबंधन किया जाना है। इसी तारतम्य में भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार प्रदेश में 12 नवंबर से 28 फरवरी 2026 तक अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

संविधान की उद्देशिका का वाचन आज

उज्जैन। बुधवार 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का वाचन प्रातः 11 बजे प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितिय तल स्थित सभाकक्ष में किया जाएगा। इस दौरान समस्त शासकीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

राशि चक्र | 13 जुलाई को वक्री हुए थे शनि, अब सभी राशियों पर असर

28 नवंबर को शनि बदलेंगे चाल, मीन राशि में मार्गी होंगे

नवभारत न्यूज

उज्जैन। 28 नवंबर को शनि ग्रह मीन राशि में मार्गी हो जाएंगे। शनि अभी मीन राशि में वक्री हैं। यानी पीछे की ओर चल रहे हैं। जब यह मार्गी हो जाएंगे तो फिर से आगे की ओर चलने लगेंगे। शनि ग्रह 13 जुलाई को वक्री हुए थे। शनि की चाल बदलने का असर सभी 12 राशियों पर होता है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया कि मेष वालों की विदेश यात्राएं हो सकती हैं। शनि बारहवें भाव में है। वृषभ में ग्यारहवें भाव में आर्थिक दृष्टिकोण से शुभ है। मिथुन में दसवें भाव में नौकरी में स्थायित्व आएगा, पदोन्नति के योग है। कर्क में नौवें भाव में लंबी दूरी की यात्राएं होंगी। सिंह में आठवें भाव में संकटों में कमी आएगी। कन्या में सातवें भाव में व्यापार में स्थिरता आएगी। तुला में छठे भाव में शत्रुओं और रोगों पर विजय मिलेगी। वृश्चिक में पांचवें भाव में संतान पक्ष से शुभ समाचार दिलाएगा। धनु में चौथे भाव में पारिवारिक कलह शांत होगा। मकर में तीसरे भाव में छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। कुंभ में दूसरे भाव में साढ़ेसाती का अंतिम चरण राहत भरा होगा। मीन में प्रथम भाव में साढ़ेसाती का मध्य चरण मानसिक तनाव को कम करेगा।

भैरवगढ़ स्थित सिद्धवट के मुरली मंदिर में राम दरबार की स्थापना

भैरवगढ़ स्थित सिद्धवट के मुरली मंदिर में श्री राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा मंगलवार को की गई। यह जानकारी देते हुए सिद्धवट मंदिर के पुजारी पंडित सुधीर चतुर्वेदी ने बताया कि राम विवाह पंचमी के अवसर पर यह प्रतिष्ठा संपन्न हुई। आदित्य वाहिनी एवं पुजारी पुरोहित समिति सिद्धवट मंदिर के तत्वावधान में इस अवसर पर समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंदिर में भगवान की प्रतिमा विधि-विधान पूर्वक अनुष्ठान कर प्राण-प्रतिष्ठित की गई एवं महाआरती के साथ भंडारा भी रखा गया। राम विवाह पंचमी के अवसर पर अंकपात के पास स्थित प्राचीन श्री राम जनार्दन मंदिर में भी राम विवाह उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान का अभिषेक-पूजन कर श्रृंगार किया व शाम को गोधूलि बेला में विवाह की रस्म करते हुए उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर महाआरती हुई व आतिशबाजी की गई। दीप प्रज्वलित कर प्रसादी वितरण किया गया।